

Shri Jaswant Exhibition and Cattle Fair



The Shri Jaswant Exhibition and Cattle Fair is a traditional annual fair held in Bharatpur, Rajasthan. It highlights the farm life, livestock culture, cultural events and local commerce of the state. Historically, the fair has played an important role and offers a venue for livestock owners, livestock traders, artisans and visitors to engage in a number of activities.

Key Highlights

Particular	Details
Event	Shri Jaswant Exhibition and Cattle Fair
State	Rajasthan
Location	Bharatpur
Started in	1920

Founder	Maharaja Kishan Singh
Commemorates	Maharaja Jaswant Singh
Major attractions	Livestock activities, wrestling, folk performances and cultural programmes
Significance	Promotion of rural trade, livestock activities and Rajasthani culture

The 107th edition of the fair was reportedly opened on 15 October 2026. The event is a tribute to the historical traditions of Bharatpur as well as the significance of cattle fairs in the rural economy of Rajasthan.

The fair also contributes to cultural preservation by bringing together local communities and providing opportunities for traditional performers and traders. These kinds of events are helpful in preserving the linkage of history and modern life in rural areas of Rajasthan.

Conclusion

The Shri Jaswant Exhibition and Cattle Fair is a significant cultural and traditional festival that is celebrated in Rajasthan. It encourages economic activities in rural areas, traditions, and the local heritage associated with livestock. Some of the key points that are important for competitive exams like Rajasthan State exams are the location of the fair, its history, founder and its cultural importance.

MCQs

1. The Shri Jaswant Exhibition and Cattle Fair is organised in which city?

- A. Jaipur
- B. Bharatpur
- C. Jodhpur
- D. Udaipur

Answer: B. Bharatpur

2. Who initiated the fair in 1920, according to published reports?

- A. Maharaja Kishan Singh
- B. Maharana Pratap
- C. Sawai Jai Singh II
- D. Maharaja Suraj Mal

Answer: A. Maharaja Kishan Singh

3. Which state is associated with the Shri Jaswant Exhibition and Cattle Fair?

- A. Gujarat
- B. Haryana
- C. Rajasthan
- D. Madhya Pradesh

Answer: C. Rajasthan

4. What is a major objective of traditional cattle fairs?

- A. Promoting livestock activities and rural trade
- B. Conducting university examinations
- C. Organising parliamentary sessions
- D. Promoting information technology exports

Answer: A. Promoting livestock activities and rural trade

श्री जसवंत प्रदर्शनी एवं पशु मेले का आयोजन

श्री जसवंत प्रदर्शनी एवं पशु मेला राजस्थान के भरतपुर में आयोजित होने वाला एक पारंपरिक वार्षिक मेला है। यह मेला राज्य की ग्रामीण जीवनशैली, पशुपालन संस्कृति, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और स्थानीय व्यापार को प्रदर्शित करता है। ऐतिहासिक दृष्टि से इस मेले का महत्वपूर्ण स्थान है। यह पशुपालकों, पशु व्यापारियों, कारीगरों और आगंतुकों को विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

प्रमुख मुख्य बिंदु

विवरण	जानकारी
-------	---------

मेले का नाम	श्री जसवंत प्रदर्शनी एवं पशु मेला
राज्य	राजस्थान
स्थान	भरतपुर
शुरुआत	1920
संस्थापक	महाराजा किशन सिंह
किसकी स्मृति में	महाराजा जसवंत सिंह
प्रमुख आकर्षण	पशुपालन गतिविधियाँ, कुश्ती, लोक प्रस्तुतियाँ एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम
महत्व	ग्रामीण व्यापार, पशुपालन गतिविधियों एवं राजस्थानी संस्कृति को बढ़ावा देना

प्रकाशित समाचार रिपोर्टों के अनुसार, मेले का 107वाँ संस्करण 15 अक्टूबर 2026 को शुरू हुआ। यह आयोजन भरतपुर की ऐतिहासिक परंपराओं और राजस्थान की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पशु मेलों के महत्व को दर्शाता है।

यह मेला स्थानीय समुदायों को एक साथ लाने और पारंपरिक कलाकारों एवं व्यापारियों को अवसर प्रदान करने के माध्यम से सांस्कृतिक संरक्षण में भी योगदान देता है। ऐसे आयोजन राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में ऐतिहासिक विरासत और आधुनिक जीवन के बीच संबंध बनाए रखने में सहायक होते हैं।

निष्कर्ष

श्री जसवंत प्रदर्शनी एवं पशु मेला राजस्थान का एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और पारंपरिक आयोजन है। यह ग्रामीण आर्थिक गतिविधियों, पशुपालन परंपराओं और स्थानीय विरासत को प्रोत्साहित करता है। राजस्थान की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए इस मेले का स्थान, इतिहास, संस्थापक और सांस्कृतिक महत्व प्रमुख तथ्य हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. श्री जसवंत प्रदर्शनी एवं पशु मेले का आयोजन किस शहर में किया जाता है?

A. जयपुर

B. भरतपुर

C. जोधपुर

D. उदयपुर

उत्तर: B. भरतपुर

2. प्रकाशित समाचार रिपोर्टों के अनुसार, वर्ष 1920 में इस मेले की शुरुआत किसने की थी?

A. महाराजा किशन सिंह

B. महाराणा प्रताप

C. सवाई जय सिंह द्वितीय

D. महाराजा सूरजमल

उत्तर: A. महाराजा किशन सिंह

3. श्री जसवंत प्रदर्शनी एवं पशु मेला किस राज्य से संबंधित है?

A. गुजरात

B. हरियाणा

C. राजस्थान

D. मध्य प्रदेश

उत्तर: C. राजस्थान

4. पारंपरिक पशु मेलों का प्रमुख उद्देश्य क्या है?

A. पशुपालन गतिविधियों एवं ग्रामीण व्यापार को बढ़ावा देना

B. विश्वविद्यालय की परीक्षाएँ आयोजित करना

C. संसदीय सत्र आयोजित करना

D. सूचना प्रौद्योगिकी के निर्यात को बढ़ावा देना

उत्तर: A. पशुपालन गतिविधियों एवं ग्रामीण व्यापार को बढ़ावा देना

Continuous Biomass Torrefaction Reactor



A Continuous Biomass Torrefaction Reactor is a system to thermally process biomass under controlled conditions of low oxygen. The process, known as torrefaction, typically operates at around 200–300°C and can improve biomass properties for solid biofuel applications. Continuous operation enables a continuous feed and process of biomass based on the design of the reactor.

Key Highlights

Key Point	Details
Main Process	Biomass torrefaction
Operating Conditions	Controlled heating with limited oxygen
Feedstock	Agricultural and forestry residues
Main Output	Torrefied solid biomass
Potential Benefit	Improved fuel properties and grindability

Why Is It Important?

- **Better Fuel Quality:** Can improve energy density and resistance to moisture.
- **Waste Utilisation:** Supports the productive use of suitable agricultural and forestry residues.
- **Continuous Processing:** Enables steady feed and product flow with proper design.

Research and Development

The Sardar Swaran Singh National Institute of Bio-Energy (SSS-NIBE) reported an in-house project in 2023–24 to design and develop a continuous biomass torrefaction reactor. The project included CFD modelling for reactor design, prototype development, fabrication and installation of the torrefaction reactor, experimental studies using different biomass feedstocks, and optimisation of process parameters.

Conclusion

A continuous biomass torrefaction unit is a promising technology for upgrading biomass into a more suitable solid fuel. The process can be used to enhance selected fuel properties and enable the use of agricultural and forestry residues by controlling the temperature, residence time, and exposure to oxygen. But real performance will also be dependent on the biomass type, reactor design, and operating conditions. Further testing and optimisation are important for assessing its efficiency and practical applications.

MCQs

1. What is the main process used in a biomass torrefaction unit?

- A. Fermentation
- B. Torrefaction
- C. Electrolysis
- D. Distillation

Answer: B. Torrefaction

2. Which material can be used as feedstock?

- A. Agricultural residues
- B. Plastic bottles only
- C. Glass
- D. Metals

Answer: A. Agricultural residues

3. What is a potential benefit of torrefaction?

- A. Improved biomass grindability
- B. Elimination of all emissions
- C. Zero energy consumption
- D. Guaranteed pollution-free operation

Answer: A. Improved biomass grindability

4. Which institute reported a continuous biomass torrefaction reactor development project in 2023–24?

- A. ISRO
- B. SSS-NIBE
- C. RBI
- D. FCI

Answer: B. SSS-NIBE

विशेष सतत बायोमास टॉरिफैक्शन इकाई

विशेष सतत बायोमास टॉरिफैक्शन इकाई एक ऐसी प्रणाली है, जिसका उपयोग नियंत्रित एवं कम ऑक्सीजन वाली परिस्थितियों में बायोमास को गर्म करके संसाधित करने के लिए किया जाता है। इस प्रक्रिया को टॉरिफैक्शन कहते हैं, जो सामान्यतः लगभग 200–300°C तापमान पर की जाती है। इससे बायोमास के गुणों में सुधार हो सकता है और यह ठोस जैव ईंधन के रूप में अधिक उपयोगी बन सकता है। रिएक्टर के डिजाइन के अनुसार, इस इकाई में बायोमास को लगातार संसाधित किया जा सकता है।

प्रमुख विशेषताएँ

प्रमुख बिंदु	विवरण
मुख्य प्रक्रिया	बायोमास टॉरिफैक्शन
परिचालन परिस्थितियाँ	सीमित ऑक्सीजन में नियंत्रित ताप
कच्चा माल	कृषि एवं वानिकी अवशेष
मुख्य उत्पाद	टॉरिफाइड ठोस बायोमास
संभावित लाभ	ईंधन के गुणों और पीसने की क्षमता में सुधार

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

- बेहतर ईंधन गुणवत्ता: बायोमास के ऊर्जा घनत्व और नमी के प्रति प्रतिरोध में सुधार हो सकता है।
- कचरे का उपयोग: उपयुक्त कृषि एवं वानिकी अवशेषों का उपयोगी संसाधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- सतत प्रसंस्करण: उचित डिजाइन वाली इकाई में कच्चे माल की आपूर्ति और उत्पाद का उत्पादन लगातार किया जा सकता है।

अनुसंधान एवं विकास

सरदार स्वर्ण सिंह राष्ट्रीय जैव-ऊर्जा संस्थान (SSS-NIBE) की 2023–24 की वार्षिक रिपोर्ट में सतत बायोमास टॉरिफैक्शन रिएक्टर के डिजाइन और विकास से संबंधित एक आंतरिक परियोजना का उल्लेख किया गया है। इस कार्य में रिएक्टर का मॉडल तैयार करना, प्रोटोटाइप विकसित करना, बायोमास का परीक्षण और प्रक्रिया का अनुकूलन शामिल था।

निष्कर्ष

सतत बायोमास टॉरिफैक्शन इकाई बायोमास को अधिक उपयोगी ठोस ईंधन में बदलने की एक संभावनाशील तकनीक है। तापमान, प्रसंस्करण समय और ऑक्सीजन के संपर्क को नियंत्रित करके इसके कुछ ईंधन संबंधी

गुणों में सुधार किया जा सकता है। यह तकनीक कृषि एवं वानिकी अवशेषों के उपयोग को भी बढ़ावा दे सकती है। हालाँकि, इसकी वास्तविक दक्षता बायोमास के प्रकार, रिएक्टर के डिजाइन और परिचालन परिस्थितियों पर निर्भर करती है। इसलिए, इसके व्यावहारिक उपयोग और प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए आगे परीक्षण एवं अनुकूलन आवश्यक हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. बायोमास टॉरिफैक्शन इकाई में मुख्य रूप से कौन-सी प्रक्रिया होती है?

- A. किण्वन
- B. टॉरिफैक्शन
- C. विद्युत अपघटन
- D. आसवन

उत्तर: B. टॉरिफैक्शन

2. इस प्रक्रिया में किस सामग्री का उपयोग कच्चे माल के रूप में किया जा सकता है?

- A. कृषि अवशेष
- B. केवल प्लास्टिक की बोतलें
- C. काँच
- D. धातुएँ

उत्तर: A. कृषि अवशेष

3. टॉरिफैक्शन का संभावित लाभ क्या है?

- A. बायोमास को आसानी से पीसने की क्षमता में सुधार
 - B. सभी उत्सर्जनों का पूर्ण उन्मूलन
 - C. ऊर्जा की शून्य खपत
 - D. प्रदूषण-मुक्त संचालन की गारंटी
- उत्तर: A. बायोमास को आसानी से पीसने की क्षमता में सुधार

4. 2023-24 में सतत बायोमास टॉरिफैक्शन रिएक्टर के विकास की परियोजना का उल्लेख किस संस्थान की रिपोर्ट में किया गया था?

- A. ISRO
- B. SSS-NIBE
- C. RBI
- D. FCI

उत्तर: B. SSS-NIBE